



Training & Placement Cell Dr. A.P.J. ABDUL KALAM UNIVERSITY, INDORE

Date : 1st May, 2023

Carrier Guidance Options for M Sc Botany Students

करिअर ऑप्शन इकोलॉजी व सॉइल साइंस जैसे विषयों में कर सकते हैं स्पेशलाइजेशन दुर्लभ पौधों की खोज ने दी है बॉटनी की फील्ड को एक नई पहचान, युवा रिसर्चर के लिए हैं यहां बेहतर अवसर

रिसर्चर विष्णु मोहन ने पिछले साल सितारे की तरह दिखने वाले बॉटर प्लांट 'केलीट्रिचे' की खोज की थी। विष्णु मोहन को इसके लिए इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी की ओर से प्रो. कृष्णा सहाय बिलग्रामी मेमोरियल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। विष्णु मोहन की तरह ही अब देश भर में पौधों की नई प्रजातियों की खोज करने वाले कई वैज्ञानिक उभरकर सामने आ रहे हैं। के. एन. गांधी, के. एस. सुजाना, डॉ. चित्रा सरकार को देश के बेहतरीन बॉटनिस्ट में गिना जाता है। इस क्षेत्र में लगातार नई खोजों के चलते यहां अनुभवी वैज्ञानिकों व रिसर्चर्स की मांग बढ़ी है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से पूर्व में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 20 हजार क्वालिफाइड बॉटनिस्ट की मांग है। ऐसे में अगर आप पौधों के अध्ययन में रुचि रखते हैं तो बतौर बॉटनिस्ट करिअर बना सकते हैं। ये विशेषज्ञ पौधों की विभिन्न प्रजातियों पर स्टडी करते हैं और पौधों की प्रजनन क्षमता को बेहतर करते हैं। नई प्रजातियों को खोजना और उनका वर्गीकरण करना बॉटनिस्ट की जिम्मेदारी होती है। अच्छी बात यह है कि अब यह क्षेत्र अवसरों के लिहाज से मजबूत हो रहा है।

बीएसआई व ओशियनोग्राफी इंस्टीट्यूट जैसे सरकारी संस्थान देते हैं नौकरी



जानकी अम्मल व डनलोप जैसे अवॉर्ड्स दिए जाते हैं

इंडियन बॉटनिकल सोसायटी की ओर से हर साल प्रोफेसर वाय. एस. मूर्ति मेमोरियल गोल्ड मेडल ऐसे बॉटनिस्ट को दिया जाता है जिन्होंने प्लांट माॅफोलॉजी और टैक्सोनोंमी में रिसर्च क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया हो। वहीं जानकी अम्मल-नेशनल वुमन बायोसाइंटिस्ट अवॉर्ड उत्कृष्ट महिला बॉटनिस्ट को दिया जाता है। इसके अलावा और भी कई प्रतिष्ठित पुरस्कार हैं जैसे प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती अवॉर्ड, डॉ. पी.बी.आर. मेमोरियल अवॉर्ड और डनलोप अवॉर्ड।

इस क्षेत्र में शुरुआत के लिए कम से कम एमएससी डिग्री जरूरी होती है। एमएससी के लिए बॉटनी, बायोलॉजिकल साइंसेस या लाइफ साइंसेस विषय में बीएससी डिग्री होनी अनिवार्य है। इसके अलावा इकोलॉजी, सॉइल साइंस और हॉर्टिकल्चर जैसे विषयों में स्पेशलाइजेशन किया जा सकता है। इसके बाद इकोलॉजिस्ट और टैक्सोनोंमिस्ट के तौर पर काम किया जा सकता है। रिसर्च के फील्ड में जाने के लिए पीएचडी डिग्री जरूरी है। बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया (बीएसआई), रिसर्च एम्प्लोसिएंट फेलोशिप प्रोग्राम करवाता है। इसमें पीएचडी स्कॉलर्स आवेदन कर सकते हैं। पीएचडी के बाद सरकारी संस्थान जैसे बीएसआई, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशियनोग्राफी और इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट में काम करने का विकल्प है। इसके अलावा फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री में भी बॉटनिस्ट का रिक्रूटमेंट किया जाता है।

प्रेविटकल नॉलेज के लिए करें वॉलंटियरिंग

डिग्री से ज्यादा यहां प्रैक्टिकल वर्क का ज्यादा महत्व है। पढ़ाई के दौरान अपनी नॉलेज बढ़ाने के लिए आप विभिन्न संस्थानों में वॉलंटियरिंग कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर बीएसआई, फील्डवर्क और डेटा कलेक्शन सहित कई रिसर्च एक्टिविटीज के लिए वॉलंटियर्स को अवसर प्रदान करता है। इसके अलावा आईसीएआर व इंडियन बॉटनिस्ट भी युवा बॉटनिस्ट के लिए वॉलंटियर प्रोग्राम आयोजित करते हैं।

ANIL MISHRA
(Training & Placement Officer)